30/4/21 Class - VII

लोकोक्तियाँ

Do in copy & learn.

1. अंधों में काना राजा (मूर्खों में थोड़े से बुद्धिमान का भी महत्त्व होता है)– गाँव के अनपढ़ लोगों में केवल मनोज ही आठवीं पास है। गाँव के सभी लोग उसका सम्मान करते हैं क्योंकि अंधों में काना राजा होता है।

2. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता (अकेला व्यक्ति कुछ भी नहीं कर सकता)– भाइयो! भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सभी को मिल-जुलकर कार्य करना होगा। यह किसी एक व्यक्ति के वश की बात नहीं है क्योंकि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

3. अंत भला सो भला (जो परिणाम में अच्छा हो, वही अच्छा है)– कई दिनों की भाग-दौड़ के बाद आखिरकार सुरेश को शिक्षा विभाग में अधिकारी की नौकरी मिल गई तो उसके परिचित लोगों ने यही कहा-अंत भला सो भला।

4. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत (समय बीत जाने पर पछताना व्यर्थ होता है)– मनीष ने पूरे वर्ष तो परिश्रम किया नहीं, अब जब फेल हो गया तो ज़ोर-ज़ोर से रो रहा है, किंतु अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत।

5. अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग (सभी का भिन्न-भिन्न मत होना)– उस सभा में सभापति की बातों को कोई सुन ही नहीं रहा था। लोग अपनी-अपनी बातें ही कहे जा रहे थे। वहाँ तो सबकी अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग था।

6. आँखों के अंधे नाम नयनसुख (नाम अच्छा, किंतु कर्म बुरे होना)– इस लड़की का नाम तो शांति है, परंतु दिनभर बच्चों के साथ बात-बात पर झगड़ती रहती है। इसे देखकर तो 'आँखों के अंधे नाम नयनसुख' वाली लोकोक्ति याद आती है।

Scanned by TapScanner

7. आ बैल मुझे मार (जान-बूझकर विपत्ति को बुलावा देना)–मोहित इस चिलचिलाती धूप में मना करने के बाद भी नंगे पैर बाहर घूमता रहता था। इससे उसे लू लग गई और तेज़ बुखार हो गया। उसकी मूर्खता को देखकर लगता है कि उसने 'आ बैल मुझे मार' वाली बात कर ली।

8. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे (दोषी व्यक्ति द्वारा निर्दोष को दोष देना)– मोटर साइकिल चलाने वाले ने एक तो सुरेश की साइकिल को टक्कर मारकर गिरा दिया और अब सुरेश को ही डाँट रहा है। इसी को कहते हैं– उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

9. ऊँची दुकान फीका पकवान (केवल बाहरी दिखावा होना)– हम राम सिंह हलवाई का नाम सुनकर वहाँ समोसे खाने गए। वहाँ देखा कि वह सड़े-गले आलू काम में ले रहा है। इसे कहते हैं– ऊँची दुकान फीका पकवान।

10. एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा (एक बुराई के साथ दूसरी बुराई भी मिलना)– नरेश पहले शराब पीता था, अब जुआ भी खेलने लग गया। इसे कहते हैं– एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा।

Scanned by TapScanner